पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय रेल मंत्री ने जनपद वाराणसी में वाराणसी से नई दिल्ली के मध्य वन्दे भारत स्लीपर ट्रेन, बनारस–प्रयागराज रामबाग तथा बनारस–राजातालाब के मध्य मेमू ट्रेनों का फ्लैग–ऑफ किया

राष्ट्रीय एकता की भावना को भारतीय रेल उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सम्पूर्ण देश को जोड़कर आगे बढ़ा रही : मुख्यमंत्री

काशीवासियों को दीपावली और छठ पर्व से पहले 03 महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की सौगात मिल रही

उ0प्र0 में सभी रेल लाइनें ब्रॉडगेज में परिवर्तित हो चुकीं, ब्रॉडगेज की सभी रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया जा चुका

पहले काशी से दिल्ली की रेल यात्रा में लगभग 13 से 14 घण्टे लगते थे, अब यह ट्रेन मात्र 08 से 09 घण्टे में दिल्ली की दूरी तय करेगी

लम्बी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आरामदायक और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराएगी

काशी और प्रयागराज के मध्य मेमू सेवा प्रारम्भ होना लाखों श्रद्धालुओं, किसानों, युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, व्यापारियों, अधिवक्ताओं और दैनिक यात्रियों के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा

अब मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज अथवा अण्डरपास की सुविधा विकसित की जा रही, इससे सड़क और रेल यातायात को अलग–अलग व्यवस्थित करने में मदद मिली

ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से मालगाड़ियों के लिए अलग रेल मार्ग उपलब्ध कराया गया

दिल्ली और काशी के मध्य बुलेट ट्रेन चलाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई, इसके साकार होने पर काशी से दिल्ली की दूरी मात्र साढ़े तीन घण्टे में तय की जा सकेगी

उ0प्र0 में 157 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया

वाराणसी से राजातालाब तक युवाओं, व्यापारियों हेतु एम0एस0टी0 का किराया 95 रु0 तथा वाराणसी से प्रयागराज रामबाग के लिए एम0एस0टी0 का किराया 220 रु0 रखा गया : केन्द्रीय रेल मंत्री

मुख्यमंत्री ने श्री काल भैरव मन्दिर और श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर में दर्शन–पूजन किया

लखनऊ : 31 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज जनपद वाराणसी में वाराणसी से नई दिल्ली के मध्य वन्दे भारत स्लीपर

ट्रेन, बनारस–प्रयागराज रामबाग तथा बनारस–राजातालाब के मध्य मेमू ट्रेनों का फ्लैग–ऑफ किया। उन्होंने वन्दे भारत स्लीपर ट्रेन की सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर वन्दे भारत की सुविधाओं पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारतीय रेल आधुनिक भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप तेजी से विकसित हो रही है। भारतीय रेल आज आवागमन का साधन ही नहीं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बन रही है।

आज लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयन्ती है। उन्होंने देश की 563 से अधिक रियासतों का भारतीय गणराज्य में एकीकरण कर अखण्ड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभायी थी। उसी राष्ट्रीय एकता की भावना को भारतीय रेल उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सम्पूर्ण देश को जोड़कर आगे बढ़ा रही है। भारतीय रेल स्वाधीनता संग्राम सेनानियों और राष्ट्रनायकों के उस सपने को साकार कर रही है, जिसमें एक सशक्त, एकजुट और विकसित भारत की परिकल्पना की गई थी।

प्रधानमंत्री जी और केन्द्रीय रेल मंत्री के प्रयासों से भारतीय रेल को नया और आधुनिक स्वरूप मिला है। एक समय भारतीय रेल एक आम भारतीय, गरीब, बुजुर्ग और मध्यम वर्ग के लिए सबसे सुलभ यातायात का साधन थी, आज वही भारतीय रेल आधुनिक तकनीक, बेहतर सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा और तेज गति के साथ नए भारत की पहचान बन रही है। हम बदलते हुए भारत में बदलती हुई भारतीय रेल को देख रहे हैं। आज रेल यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक, स्वच्छ और समयबद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की सबसे प्राचीन आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी काशी की यह पावन धरा आज प्रधानमंत्री जी की कर्मसाधना की भूमि के रूप में भी देश–दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में काशी ने विकास, विरासत, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया है। आज काशी को तीन नई रेल सेवाओं की सौगात मिलना इसी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में रेलवे के बुनियादी ढाँचे की स्थिति ठीक नहीं थी। कहीं ब्रॉडगेज, तो कहीं मीटरगेज लाइन थी। यात्रियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रेलवे का आधुनिकीकरण बड़ा प्रश्न रहता था। संसद में भी इस

विषय को बार–बार उठाया जाता था, लेकिन उस समय केवल आश्वासन मिलते थे। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। उत्तर प्रदेश में सभी रेल लाइनें ब्रॉडगेज में परिवर्तित हो चुकी हैं। ब्रॉडगेज की सभी रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। यह भारतीय रेल के बुनियादी ढाँचे में आए व्यापक परिवर्तन का प्रमाण है। इससे रेलगाड़ियों के संचालन की क्षमता बढ़ी है, समय की बचत हुई है और यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं।

आज प्रारम्भ की जा रही वाराणसी–नई दिल्ली वन्दे भारत स्लीपर ट्रेन काशी और देश की राष्ट्रीय राजधानी के बीच रेल सम्पर्क को नई गति प्रदान करेगी। पहले काशी से दिल्ली की रेल यात्रा में लगभग 13 से 14 घण्टे लगते थे, लेकिन अब यह ट्रेन मात्र 08 से 09 घण्टे में दिल्ली की दूरी तय करेगी। इससे यात्रियों के समय और श्रम दोनों की बचत होगी। 15 फरवरी, 2019 को प्रधानमंत्री जी ने नई दिल्ली से वाराणसी के मध्य देश की पहली वन्दे भारत ट्रेन का शुभारम्भ किया था। उस समय वन्दे भारत ट्रेन में चेयरकार की सुविधा उपलब्ध थी। अब प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से वन्दे भारत स्लीपर ट्रेन प्रारम्भ की जा रही है, जो लम्बी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आरामदायक और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराएगी।

यात्री रात में आरामदायक स्लीपर सुविधा के साथ दिल्ली से यात्रा प्रारम्भ कर सकेंगे और अगले दिन प्रातः काशी पहुँच सकेंगे। इसी प्रकार काशी से दिल्ली की यात्रा भी अधिक सुगम होगी। यह ट्रेन भारत की आध्यात्मिक राजधानी काशी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करेगी। आधुनिक तकनीक पर आधारित यह रेल सेवा यात्रियों की सुविधा के साथ–साथ उनके बहुमूल्य समय की बचत करने में भी सहायक होगी।

काशी में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की दिशा में बनारस से राजातालाब के मध्य मेमू ट्रेन सेवा प्रारम्भ की जा रही है। यह सेवा विशेष रूप से स्थानीय नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर प्रारम्भ की गई है। रेलवे द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सस्ती यात्रा सुविधा से दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को आर्थिक राहत मिलेगी। प्रत्येक व्यक्ति आवश्यकतानुसार इस सेवा का उपयोग कर सकेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि काशी और प्रयागराज भारत की 02 अत्यन्त महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी हैं। दोनों नगरियों के मध्य मेमू सेवा प्रारम्भ होना लाखों श्रद्धालुओं, किसानों, युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, व्यापारियों, अधिवक्ताओं और दैनिक यात्रियों के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा। बनारस से राजातालाब के मध्य 95 रुपये और बनारस एवं रामबाग, प्रयागराज के मध्य मात्र 220 रुपये में एम0एस0टी0 के

माध्यम से सम्पूर्ण माह की यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। सस्ती और सुलभ रेल सेवा से धार्मिक पर्यटन, शिक्षा, व्यापार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुरक्षा और रेल संचालन को व्यवस्थित बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे में व्यापक सुधार किया है। पहले मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग एक बड़ी चुनौती हुआ करती थीं। इन क्रॉसिंगों पर अक्सर रेलगाड़ियों और वाहनों के बीच टक्कर की घटनाएँ होती थीं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान चली जाती थी। अनेक पालतू और जंगली जानवर भी इन दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते थे। अब मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज अथवा अण्डरपास की सुविधा विकसित की जा रही है। इससे सड़क और रेल यातायात को अलग–अलग व्यवस्थित करने में मदद मिली है। यह केवल आधारभूत ढांचे का विकास नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन और सुरक्षा के प्रति सरकार तथा भारतीय रेल की संवेदनशीलता का उदाहरण है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। आधुनिक तकनीक, बेहतर रेल पटरियाँ, विद्युतीकरण, ओवरब्रिज, अण्डरपास और अन्य सुविधाओं से रेल यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा रहा है। भारतीय रेल ने यात्री सुविधाओं के साथ–साथ माल परिवहन को भी अधिक तेज और प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पहले मालगाड़ियों के कारण कई बार यात्री रेलगाड़ियों के संचालन पर भी दबाव पड़ता था। माल परिवहन में देरी होने से व्यापारियों और उद्योगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

आज उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का 1,000 किलोमीटर से अधिक हिस्सा अकेले उत्तर प्रदेश में है। इस कॉरिडोर के माध्यम से मालगाड़ियों के लिए अलग रेल मार्ग उपलब्ध कराया गया है। इससे यात्री रेलगाड़ियों और मालगाड़ियों के संचालन को अधिक व्यवस्थित करने में मदद मिली है। पहले कोलकाता से माल लेकर चलने वाली मालगाड़ी को काशी तक पहुँचने में कई दिन लग जाते थे। समय पर माल नहीं पहुँचने से व्यापारियों को परेशानी होती थी। विशेष रूप से कच्चा माल समय से नहीं पहुँचने के कारण खराब होने की आशंका रहती थी, जिससे कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। अब अलग मालवाहक रेल मार्ग उपलब्ध होने से मालगाड़ियों की गति और संचालन क्षमता में सुधार हुआ है। सामान निर्धारित समय पर और अधिक सुरक्षित तरीके से पहुँचाया जा रहा है। इससे व्यापारियों को राहत मिली है। उद्योगों को आवश्यक कच्चा माल समय पर उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है और माल परिवहन की दूरी तथा समय दोनों कम हुए हैं। यह व्यवस्था देश की अर्थव्यवस्था को गति देने और व्यापारिक गतिविधियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन से देश में आधुनिक रेल परिवहन के नए आयाम विकसित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली और काशी के मध्य बुलेट ट्रेन चलाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके साकार होने पर काशी से दिल्ली की दूरी मात्र साढ़े तीन घण्टे में तय की जा सकेगी। साढ़े तीन घण्टे में दिल्ली पहुँचने की सुविधा उपलब्ध होने से यात्रियों को अत्यन्त तेज, सरल और सुगम परिवहन विकल्प मिलेगा।

रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण भारतीय रेल में आए परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। आज काशी, बनारस और कैण्ट सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाएँ विकसित की गई हैं। यात्रियों को स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 157 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। इन स्टेशनों पर पहुँचने पर ऐसा अनुभव होता है, जैसे यात्री किसी आधुनिक एयरपोर्ट अथवा वी0आई0पी0 लाउंज में पहुँच गए हों।

रेलवे स्टेशनों का निर्माण और सौन्दर्यीकरण इस प्रकार किया जा रहा है कि वहाँ आधुनिक सुविधाओं के साथ स्थानीय संस्कृति और क्षेत्रीय पहचान की झलक भी दिखायी दे। काशी के रेलवे स्टेशनों पर भी इस परिवर्तन को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यहाँ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएँ विकसित की गई हैं। इससे देश–विदेश से आने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव अब देश के प्रत्येक क्षेत्र में दिखायी दे रहा है। यह अभियान केवल गाँवों और गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रेलवे स्टेशनों, रेलगाड़ियों और सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वच्छता की नई संस्कृति विकसित हुई है। पहले रेलवे पटरियों के आसपास अत्यधिक गंदगी और दुर्गंध रहती थी। रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों में भी साफ–सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं थी।

आज स्थिति में व्यापक परिवर्तन आया है। रेलवे पटरियों के आसपास स्वच्छता का ध्यान रखा जा रहा है। आधुनिक शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। रेलवे स्टेशन साफ–सुथरे दिखायी देते हैं। रेलगाड़ियों के कोचों की स्वच्छता एवं यात्रियों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। स्वच्छता के प्रति यह परिवर्तन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकसित हुई नई कार्य–संस्कृति का परिणाम है। उनके नेतृत्व में स्वच्छता को राष्ट्रीय जनआन्दोलन बनाया गया। आज इसका प्रभाव रेलवे जैसे बड़े सार्वजनिक संस्थान में भी स्पष्ट दिखायी दे रहा है।

किसी भी बड़े कार्य को पूरा करने के लिए केवल योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं होता। इसके लिए स्पष्ट नीति, साफ नीयत, दृढ़ संकल्प, मजबूत इच्छाशक्ति और दूरदर्शी विजन आवश्यक होता है। प्रधानमंत्री जी ने इसी संकल्प और इच्छाशक्ति के साथ देश के विकास को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। आज उसके परिणाम प्रत्येक क्षेत्र में दिखायी दे रहे हैं। भारतीय रेल में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार, रेल लाइनों का विद्युतीकरण, ब्रॉडगेज नेटवर्क, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, सुरक्षित रेल संचालन, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और वन्दे भारत जैसी अत्याधुनिक रेल सेवाएँ इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम हैं।

आज देश में विकास की गति स्पष्ट रूप से दिखायी दे रही है। जो कार्य पहले वर्षों तक लम्बित रहते थे, वे अब समयबद्ध तरीके से पूरे हो रहे हैं। यह परिवर्तन नेतृत्व की इच्छाशक्ति और विकास के प्रति प्रतिबद्धता से ही सम्भव हुआ है। काशी में केवल रेलवे के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि सड़क, हवाई यातायात, धार्मिक पर्यटन और शहरी आधारभूत ढाँचे के विकास में भी उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है।

आज काशी में आधुनिक सड़कों का निर्माण हुआ है। नए–नए फ्लाईओवर का निर्माण किया गया है। बेहतर कनेक्टिविटी विकसित की गयी है। वाराणसी के एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण और विस्तार किया जा रहा है, जिससे हवाई यातायात की सुविधाओं में वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से काशी विश्वनाथ धाम का भव्य विकास हुआ है। काशी के अन्य तीर्थस्थलों और धार्मिक स्थलों के विकास के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गंगा के घाटों का पुनर्विकास और सौन्दर्यीकरण किया गया है। जिन घाटों के कारण काशी की विशिष्ट पहचान बनी है, उन्हें आधुनिक सुविधाओं से युक्त करते हुए उनकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा को बनाए रखा गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री जी स्वयं काशी आए थे। उस अवसर पर काशीवासियों ने नए भारत की सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का एक अद्भुत दृश्य देखा। नमो घाट पर आयोजित एयर–शो के माध्यम से देश की रक्षा सेनाओं की क्षमता और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया। इस भव्य आयोजन को लगभग 25 लाख काशीवासियों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने एक साथ देखा। प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, आधुनिक तकनीक और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के संकल्प का प्रतीक बना।

आज काशीवासियों को दीपावली और छठ पर्व से पहले 03 महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की सौगात मिल रही है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में काशी को निरन्तर विकास की नई सौगातें मिल रही हैं। काशी की प्राचीन आध्यात्मिक पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए

आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। रेलवे के क्षेत्र में आज प्रारम्भ की गई तीनों सेवाएँ इसी विकास यात्रा को और आगे बढ़ाएंगी। प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल निरन्तर प्रगति करेगी और विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

केन्द्रीय रेल मंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वन्दे भारत स्लीपर ट्रेन में यात्रियों की सुविधाओं सहित लोको पायलट व स्टाफ की सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। सरकार सभी वंचित वर्ग, मध्यम वर्ग की सुविधाओं का लगातार ध्यान रख रही है। इस ट्रेन का किराया भी नॉमिनल रखा गया है। आज वाराणसी में 10 मेमू सर्विसेज का उद्घाटन किया गया है। वाराणसी से राजातालाब तक युवाओं, व्यापारियों हेतु एम0एस0टी0 का किराया 95 रुपये तथा वाराणसी से प्रयागराज रामबाग के लिए एम0एस0टी0 का किराया 220 रुपये रखा गया है।

केन्द्रीय रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने बुलेट ट्रेन के नॉर्थ कॉरिडोर को भी मंजूरी दे दी है, जिसमें दिल्ली, आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, पटना, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी सहित विभिन्न शहरों को शामिल किया गया है। वाराणसी से दिल्ली की दूरी 3:33 मिनट की होगी। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश को केवल 1,100 करोड़ रुपये का रेलवे बजट मिलता था। आज यह बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो चुका है। डबल इंजन सरकार भारत को समृद्ध और सशक्त बनाने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने रामबाग, प्रयागराज से वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित किया।

इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री अनिल राजभर, स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवीन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु', एम0एस0एम0ई0 राज्य मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा, सदस्य विधान परिषद श्री श्याम नारायण सिंह 'विनीत सिंह', श्री विशाल सिंह चंचल, सुश्री अन्नपूर्णा सिंह, श्री राय धर्मेन्द्र सिंह, विधायक डॉ0 नीलकंठ तिवारी, श्री सौरभ श्रीवास्तव, डॉ0 अवधेश सिंह, डॉ0 सुनील पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्य, महापौर श्री अशोक तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इसके उपरान्त, मुख्यमंत्री जी ने श्री काल भैरव मन्दिर और श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर में दर्शन–पूजन किया।

———————————